लॉर्ड करज़न

//

लॉर्ड कर्ज़न

जॉर्ज नथानिएल कर्ज़न (11 जनवरी 1859 - 20 मार्च 1925) एक ब्रिटिश राजनेता और विदेश सचिव थे, जिन्होंने भारत के सबसे कम उम्र के वायसराय (1899-1905) के रूप में कार्य किया।

कर्ज़न की विदेश नीतियाँ

- **उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत नीति (NWFP):** आहरण और संकेंद्रण की नीति (Policy of Withdrawal and Concentration), आदिवासियों को NWFP में शांति बनाए रखने के लिये प्रोत्साहित करना।
- **अफगान नीति:** अफगानों के साथ बेहतर संबंधों के लिये वर्ष 1905 की आंग्ल-अफगान संधि।
- **फारस की खाड़ी मिशन:** सर हेनरी मैकमोहन के अधीन संचालित करना।
- **यंगहसबैंड का तिब्बत मिशन, 1904:** तिब्बत में सभी रूसी प्रभुत्व का सामना करना।

कर्ज़न के कार्यकाल की प्रमुख घटनाएँ

प्रशासनिक सुधार

- **कलकत्ता कॉरपोरेशन एक्ट, 1899:**
  - निर्वाचित विधायिकाएँ कम हुईं और मनोनीत विधायिकाओं में वृद्धि हुई।
- **आर्थिक:**
  - **मुद्रा अधिनियम, 1899:** ब्रिटिश मुद्रा को भारत में वैध मुद्रा के रूप में मान्यता प्रदान की गई।
  - वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की स्थापना।
  - वित्तीय विकेंद्रीकरण की नीति का समर्थन करना।
- **पुलिस सुधार:** सर एंड्रयू फ्रेज़र के अधीन वर्ष 1902 में पुलिस आयोग ने आपराधिक जाँच विभाग (CID) की स्थापना।
- **न्यायपालिका:**
  - कलकत्ता उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि।
  - उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायाधीशों के वेतन में वृद्धि।

कृषि

- **वर्ष 1900:** ऋण न चुकाने पर किसानों से साहूकारों द्वारा भूमि हस्तांतरण को कम करने हेतु **पंजाब भूमि हस्तांतरण अधिनियम।**
- **वर्ष 1901:** सर कॉलिन स्कॉट मोनक्रिफ़ के अधीन सिंचाई आयोग।
- **वर्ष 1904:** कृषकों को सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिये सहकारी ऋण समिति अधिनियम।
- **वर्ष 1905:** कृषि अनुसंधान संस्थान (ARI) की स्थापना।

अन्य सुधार

- **वर्ष 1899-1900:** सर एंथनी मैकडॉनेल के अधीन अकाल आयोग।
- **वर्ष 1901:** रॉबर्टसन रेलवे आयोग द्वारा रेलवे बोर्ड की स्थापना की सिफारिश करना।
- **वर्ष 1902:**
  - कमांडर-इन-चीफ के रूप में लॉर्ड किचनर द्वारा महत्त्वपूर्ण सेना सुधार लागू करना।
  - **रैले आयोग** द्वारा **भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904** तैयार करना, कर्ज़न द्वारा गुणवत्ता और दक्षता के नाम पर विश्वविद्यालयों पर अधिक नियंत्रण को उचित ठहराना।
- **वर्ष 1904:** देश में ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा और संरक्षण के लिये प्राचीन स्मारक अधिनियम प्रस्तुत करना।

बंगाल विभाजन, 1905

- बंगालियों को दो क्षेत्रीय प्रशासनों - **पूर्वी एवं पश्चिम बंगाल** - के अधीन रखकर भारतीय राष्ट्रवाद के केंद्र बंगाल को कमज़ोर करना

कर्ज़न ने भारत को स्थायी रूप से ब्रिटिश राज से बाँधने का प्रयास किया था। अपितु विडंबना यह हुई कि उनके बंगाल विभाजन और उसके बाद उठे विवाद ने कॉन्ग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिये बहुत कुछ किया।

दृष्टि The Vision | Drishti IAS

और पढ़ें: [लॉर्ड करज़न]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lord-curzon-3